①

Lecture No. (02)

Name of the College - A.P.S.M. College, Barauni, Begusarai
L.N.M.U. Darbhanga.

Name - Dr. Bharti Kumari (G.T)

Deptt - A.I.H. & C

Lesson plan B.A Part III Paper VII (A) A.I.H. & C

Date - 17-06-2021

Name of the Topic - (Discuss the methods of Excavations.)

उत्खनन की विधियों का वर्णन :-

इतिहास के उत्खनन के लिए अनेक स्रोतों में उत्खनन का एक विशेष स्थान है, यह मूक तथा समकालीन सामग्रियों को बिना किसी बनावट के तथ्यों के साथ उनके मूल स्वरूप में ही अध्येता के सम्मुख उपस्थित करता है; जिससे वह वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ होता है। वह पुरातत्व के अध्ययन की सबसे बड़ी विशेषता, मौलिक ज्ञान है। किन्तु उत्खनन उत्खनन किसी विधि से करें कि सही परिणाम की प्राप्ति कर सके, यह उत्खनन की मूल समस्या होती है। केवल फावड़ा, कुदाल, बेलचा के सहारे, बिना किसी वैज्ञानिक विधि के अनुसरण द्वारा किसी टीले को खोदकर उसके अंदर दबी सामग्रियों का काल निर्धारण संभव नहीं हो पाता। यह भी स्पष्ट नहीं हो सकता कि उस स्थान पर सभ्यता के कितने स्तर थे तथा कब से वहाँ सभ्यता का प्रादुर्भाव हुआ था, बल्कि उत्खनन एक ऐसी प्रक्रिया है। जिसके द्वारा उस स्थान के सभ्यता को बिना भी नष्ट हो जाते हैं। इसलिए उत्खनन की वैज्ञानिक विधियों का ज्ञान उत्खनन के लिए अत्यंत आवश्यक होता है, जिससे वह बिना सभ्यता के चिन्हों को नष्ट किये वहाँ के पुरातन इतिहास P.T.O.

और सभ्यता को जीवित रख सके।

उत्खनन की पुरातन विधि :— प्राचीन में उत्खनन के निश्चित ज्ञान के अभाव में बिना किसी वैज्ञानिक विधि के उत्खनन किया जाता था। फ्रांसीसी पुरातत्वविद इसके प्रारम्भिक चरण में निर्धारित क्षेत्र में टूट-टूट कर खात (T. rench) खोदते थे और यदि कहीं दीवार या मकान का भाग दिखाई पड़ जाता था तो उसके ज्ञान के लिए उन खातों को मिला देते थी। किन्तु इस विधा में दोष था। परीक्षण खातों को मिलाने के लिए बीच के ध्वंसावशेषों को नष्ट करना पड़ता था। इन्हें मिलाना भी अत्यंत कठिन कार्य होता था। इस विधि द्वारा स्थान के आकार का भी पता नहीं चलता था। साथ ही वहाँ की सामग्रियाँ भी खुदाई में विनष्ट हो जाती थी। इसलिए आज इस विधि का प्रयोग बन्द कर दिया गया है।

उत्खनन की आधुनिक विधियाँ :—

जैसे-जैसे ज्ञान का विस्तार होता गया और उत्खनन की पूर्व विधियों के दोष सामने स्पष्ट होते गये। उत्खनन के द्वारा वास्तविकता के समीप पहुँचने के लिए कुछ नई विधियों का क्रमशः आविष्कार होता गया। आज प्रचलित रूप में उत्खनन में जिन वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है, उनको प्रमुख रूप से दो वर्गों में रखा जा सकता है।

यथा

(i) लम्बवत् उत्खनन — Vertical Excavation

(ii) क्षैतिज खनन — Horizontal Excavation

Scanned with CamScanner